### Series **SHEFG**



Set-4

Q.P. Code **17** 



Candidates must write the Q.P. Code on the title page of the answer-book.

#### **TIBETAN**

Time allowed: 3 hours

Maximum Marks: 80

- दे विवालायर म् त्रित्यते अर्गे 11 म्या स्रित्य विवाय विराय विराय विराय
- ट्रे.स्वाची.वालवा.स्वाव.वी.स्विट.तपु.भूप.बाट.गी.ट्रे.पूब.भू.स्वाव.स्वव.ग्रीवा.लाच.पट्टेचवा.स्वा.वी.पा.त्र्मू र स्व
- जय. मुसान्तरे कूर्य. टे. लट. दुश. ईश्यतं दुश. तथ. मुसान्तरं मु
- Please check that this question paper contains 11 printed pages.
- Q.P. Code given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains 8 questions.
- Please write down the serial number of the question in the answer-book before attempting it.
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

#### General Instructions:

- (i) This question paper contains four sections.
- (ii) Section A Applied Grammar (Marks : 15)
- (iii) Section B Reading (Marks: 15)
- (iv) Section C Writing (Marks: 25)
- (v) Section D Literature (Marks : 25)

#### Section A (Grammar)

- 1 (Applied Grammar) দৃশ্বশ্বহুশ্বাৰ্থ গ্ৰহ বাৰেন খ্ৰীকা নান্দ্ৰহ প্ৰহাণ গ্ৰহ কৰে (Marks: 15 ×1=15)
  - I) हमार्थायह्मा छेर्था सदि देव मार धेव वया
  - a) र्विरश्रानाश्चार्यूव, हंश्रार्सून, त्या श्रुवे श्रुव, त्यावश्याद्व, त्याक्ष्य स्वाधार्यक्ष्य स्वाधार्यक्ष्य स्वधार्यक्ष्य स्वधार्यक्षय स्वधार्यक्षयक्षय स्वधार्यक्षय स्वधार्यक्
  - b) र्वेद हेश र्रोना मान् अमान्द होत हो हिला स्वाया के कुट ला नहेब द्यार नाया हो नही न नक्ष्य मारा हनाया दहना हेरा
  - c) र्नेन् धीया वी श्वापन्त्रा के कुट ला नहेत्र त्राह्मारा ही न्ते न न सूत्र प्राप्त ह्या वेना
  - d) धै मोते ह्माश से से स्थादित मी स्थादित सकत् धेत राम हमाम वह्मा चेरा
  - II) श्चेर-बेद-मृतिवेद-हुम्य-ग्री-तृत्तीः नाद-दूद-मृदः सद्द-स्प्रि-द्या
    - a) श्रम्याविदे हिनास क्षेत्र ने क्षेत्र स्वास क्षेत्र स्वास क्षेत्र स्वास क्षेत्र स्वास क्षेत्र स्वास क्षेत्र स
    - b) श्रीर पाविते ह्याया श्री प्राचेर विकास के अपने का के कि स्वाप के अपने का का
    - c) श्रीरामाबिदे ह्या शामित्र वा इया सी बिन्या सी क्षेत्र हासी सी मानसायहरू क्षा सह स्टिना
    - d) श्रीराम्बितःहमाश्रान्तिः न्याः विष्यान्त्राः विष्याः विष्यः विष्याः विष्यः विष्याः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः
    - a) अ'भैना'ते'नाश्रय' द्येन'शुस्र द्यु'यश्रय सम्दर्भ दे'भेत्'नादे केन'भेत्।

    - c) आधीमादि सेट मादि सें धीमा यस श्रु केंचा कुट मदि केंद्र धीदा

- d) બ્રાપ્યેના તે સંનિત્સપ્યાનો માના કૃતાનુ સાથાના નાસા સાથાના સાથે કૃતાની તાલુકા છે. તે તે કિંદ માના સાથાના સા
- III) भूनासानुनाने से र्रु भूरा वेसाया भूराधीने नुना से रिसाय दिन नीसा
  - a) भ्रमास रुपानी मा हा हा हा सा स र रम रुपा थी हा
  - b) भ्रमास जुना है। निका मा मा का अप्र प्र प्र
  - c) ञ्चनायानुनानी व वा या या न अपन्यानुनाधिता

  - a) नृज्ञ-नृत्व राज्ञ-नाया डंक्टं-इंक्ष नृष्ण-नरुषाधीयोञ्चनायानहुःनिवेखेता
  - b) डॅक्टॅइंस्। ब्:ब:प्रपा र यप्पारा प्राप्तान्तरा के का प्राप्तान्तरा विद्यापार प्राप्तान के का प्राप्तान के कि
- IV) र्वेत् वहुनार्वे न धेनानीय वहुना सुवा अर मिति के मो नहु दुना सेंद्र स से से आ

  - b) नडु: र्वादी ग हा ना ना हा हा हा हा हा हा हा ना न अ: इसमाधिता
  - c) नडु: र्रुना दी या का या या का हा आ ना वा हा ल वा ना न अ कर इसम धिवा
  - d) न्डु:इ्गादी ग ठा हा ठा गहा हा ना ना हा ल वा ना न या इसम्याधी दा
- V) र्वेत्रवहुनाताहनायाश्चित्रशेष्ट्रीयानार्स्वराधेराधेरा
  - a) ग ठ हा ना उ'क्समार्थी हा का मा स'क्समार्थी दा हा वा स'स्ममार्थी
  - b) ग डा हा या ड'इसस'र्या मा का मा य इसस'र्या दा हा वा संवेद हुर्से दर नासुस स्पृत्
  - c) मि ठ हो में उन्हरूक में मा हा हा ना नाहरूक में मा हा आफीद हु के निमाल हो
  - d) नःधिनाह्मस्रसन्ति नान्यत्वेता वर्षा सन्वेतःकुर्सन्तन्त्रस्य
  - a) ब्रॅंग्सेग्सेग्नेबिशकी मा हा वा बाबेशमानवित्या हेमा
  - b) र्से धियो मो लेख दी हा हा वा वा लेख राम विषय हो सा
  - c) ब्रॅं भी भी वो बेश दी रा न्युरसानवे या हेरा

लट.बी

- VI) नन्नामाल्यः श्रीन्त्रीः नः सहन् न्द्रिः मानः धेदः दस्रा
  - a) च्रेन्'म'र्में'न्न्युं मत्रे खुत्य क्रेंचु क्रेंच् क्रेंच् महेंच् पत्रे क्रेन्'न्, यन्ना नाव्य सहन्'म'र्धित्

- b) होन् मार्चे न्दा हा नवे सुवा क्रेंब मवे केन् नु नद्या याव्य सहन मार्थे वा
- c) नवेश शरे र न्र हिंद् रहेश मार्श्व मदि केन् न् न्या मावद सहन् मार्थेदा
- d) होन्'म'र्मे'न्न्'हु'मदे'खुत्य'हो] शेन्'क्वेन्'र्सूब्'मदे'क्वेन्'नु'न्न्न्ना'नाब्ब्द्'सह्न्'स'धेब्रा

## VII) नुस्रानाशुस्रानीः इस्रानावनाः सहनः हित्रानानः धीवः दस्रा

- a) नन्नान्त्वत् मुःन्तुः नर्भाष्ठन्यः पदे मुःकेत् केत् पदे केत् न्त्र्यः मास्याम् मान्याः सहन् प्राध्येत्।
- b) रुषःकेषारेषःकवःश्चेःकेषाः भूवःयदेःकेषः रुषःगशुसःश्चेः इसःमाववाःसहपःयः धेवा
- d) रुषः क्षेत्राः सुद्धेदेः क्षेत्राः सूद्धं स्वतः केन् रुषः नाशुक्षः क्षुः स्वानानाः सहन् रुषः धोदा

### VIII) ज्ञःकेना यः न्ज्ञे तः नारः नना व्यन्दिन् नथा

- a) होन्'म'र्से'वा'र्वेन्'मवे'हा'म'र्न्'म्हे'मवे'खुवा'वा'र्वेन्द्रामानिक्रिमार्वेन्
- b) ब्रेन्पर्मे न्हें में न्दा बयाना बुः ख्या की ख्या न्दा स्यास्य
- c) र्नेन् भून्या चुः र्केवा मन्त्रा श्रीः श्रेष्यम् नार्येन्।
- d) भैरःकुरःनीःकेनाः भूवः मश्चारेनाः विताः विताः

# IX) अविरामहिकामानेकासवेतमहिकामानाराधिवादमा

- a) अदिरामहिरामानेशमानेशमानी मा ना महिरामानेरामाधिता
- b) अविरामित्रेशामा बेशामा वी वशुरामा अविरादा अर्जना मित्रा मित्रा विरामा वेरामा धेवा
- c) अर्देर महिशामा लेशमा देशमा निमान्त महिशास हेरान धीता
- d) अ'र्वेर'मानेश'मानेश'स'र्वे। अळ्व'योन्'अ'र्वेर'मानेश'सार्वेर'मानेश'याने

# X) र्श्वेत्व्ह्नार्स्वत्यं वासीनानुस्यव्ह्यार्थात् ह्नार्थाते न्वेत्रः वर्हेन् वाराधित वसा।

- b) नग्व नग्र-ग्रिका दे र्का वर्ष प्रति प्
- c) नञ्चन्य। नञ्चन्यः नहेयः वे नः धेना न्यः प्रत्यः प्रदे न्ये नः धेना
- d) नलेश नम्न-पार्वश्रवी-तृश्यन्य स्वी-न्ये-न्येन्-वर्हेन-धीत्।

## XI) र्वेत पहुना थे नो स् न्यूर ह्या लेख परे में र्वेत नार धेत तथा

- a) दे वे बे न पाले वे वह व कर के व पहुना ने पी पो में भू पहुन के व के पाले के पाले के पाले के पाले के पाले के प
- b) दे ते नु: खुव्य नु: तदः तवः र्थे व वह्वा नी धी नो वः नहें व दर्ग व ति व व वि दें व धीवा
- c) ने ते हे अप्तह्मा नडु पी तर त्या क्रिंत पह्मा मी पी मी ख़ान में तर्म के लिया ने से प्रति क्रिंत प्रति के प्रति क्रिंत क्रि
- d) ने ने हे र होन प्रति के ना नी वर द्राय हैं व पह ना नी भी नो ख़ न हैं व प्रति व विश्व परि हैं व भी वा

### XII) र्वेत्रवह्नार्वे नः भेना नद्ना नावद नुषः नाशुक्षः नादः दरः नादः वः वहना केषः यदे में दितः भेवः द्वा

- a) र्वेत्रवहुवार्वेदी नुस्रासर्वेदस्यानान्दात्वात्वत्वात्वर्वात्वेसान्वरे साम्
- b) र्केंब्रव्यम्बर्गाकेंबे नुसायन्यामान्यापामामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामान्यापामामान्यापामान्यापामामान्यापामान्यापामान्यापामापामान्यापामापामान्य
- c) र्वेद'वहवार्वेदी पुरुष'न'व्ह'न'न्द्र'चन्वायावहवारेशमवेर्देद'र्वेद
- d) र्वेन पह्ना में ही नुभावन्य मान्य निमाल पह्ना हेश मदि देव भीवा

#### 

- a) ने भून अहमा बेरा पादी की की का मान की मान की की का मान की मान की
- b) ने सून अवअ लेखान की यन्या यालव याविका या अवअ सम् वह्या सदि में वा विवा
- c) ने सूर्यासहस्रा बेरा पार्ची पर्या पावत पहिसारमा रूपा पार्थस्य पार्यस्य पर्या प्रदेश पर प्रदेश पर
- d) ने पूर्या अनुसाल्या ने सामा सुसारक साम स्वाप्त करा विश्व करा व

## XIV) नश्चनमःवेशःमदेःक्षेताःवदेःनुशःनाशुसःनादःधेदःदसा

- a) वर्ने:नुसःवर्सःचवे:चु:ळेंगःधेत्।
- b) वर्रे'र्श्य'य'र्वेर्स्य'यवे'तुःक्वेन्'णेत्।
- c) वर्रे:रुश:रु:श्रःनवे:ग्रु:केंगा:धेना
- d) ৭ই:র্শ:বাধ্যুম:ক্রম:এর্র্র্র:রবি:স্ক্রিব্য:অর্

### XV) अर्वेदःस्टायःस्टायाक्षेत्रहुण । छेत्रायवे र्हेत्राण्यास्येत्रस्य

- a) अर-पाविदे अविर-र्श्व पह्नामी अविर-पाके पह्ना हे अपने दें दिन पीता
- b) र्स्ति त्र्वा मी स तेर महिका सिर मिति स तेर स्थाप स से स्वा के स स ते स्व स्थाप से स्व स्व स से स्व स्व स्व
- c) र्थेद्र'यह्मामी'स'देर'मिहेस'हेस'यह्मामी'स'देर'य'से'यह्मा हेस'सदे र्द्द्र स्थित्।
- d) र्वेत्रवह्नानीः अनेदःना-दःनादेशः सदःनादिवः ना-दः-दःनादेशः वः सेव्यह्ना देशः सदे देतः प्रेत्रा

#### Section B Reading

की.पटीया.चीतु रूप दि.कैप्या क्रिया प्रह्मा अहर रिवीर जिर्मा कर रिवीर जुतु क्रिया श्री लाय प्रत्या क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया प्रत्या क्रिया प्रत्या क्रिया प्रत्या क्रिया क्रिया प्रत्या क्रिया क्रि

- I) यह्मासर्वित्रमाञ्चारम् महेरानानुभान्नात्रमा
  - a) विस्ति के ११११ विस्त्राति विस्त्राता मुर्टी
  - P) स्टि.ब्रे.क्. ११ गर स्ट्रि.वहरू स्टर्
  - c) र्विट:ब्रे.क्. ११६४ क्र्-श्चे.वर्धिटश:स:र्र्
  - d) र्विट:ब्री:ब्रॅं ११९२ व्यॅट:श्लु:ब्रह्स्स:स:देन्।
- II) अ.च१.श्रे.च.क्ट.रेश.श्रेचक.ग्री.शक्ष्य.ज.चीट.खेश.शशी
  - a) अप्तृहः भुत्व छूट् नुषा ग्री अळव्य प्याप्तृहः केव रेट्न में हो रा
  - b) याम्हासुन्द्रकुटानुयाग्रीसळ्द्रायाञ्चर्सर्द्रवाञ्चन
  - c) यान्तृ श्चान् सुरानु स्तानी सक्ति वा न्याया स्वास्त्र स्तानीया हेना
  - d) यात्राष्ट्री,य.क्टर.रीया.क्री,अक्ष्यं,जार्च्याज्ञय,रूर्वःचीयः वृत्रा
- III) सन्देन्द्रिः प्रतासुक्षाः मुन्द्रस्य स्यानानः विकासम्य
  - a) ध्यन्ययाञ्च्यार्त्वत्रेत्रार्देन्देन्दा धुम्रामार्त्वनार्वेत्रात्त्रेत्राह्वेत्वहेन्यारेन्
  - b) अन-न्यवाकेत-दिन्दिन्दा अक्षायानेन्तुः के विः विक्रियानेन्
  - c) अन-न्ययाध्वादेन् में न्दा असामाष्ट्रिमानारानु है वि महिमारेन्।
  - d) यन न्यया थून र्दिन से न्दा धुमाम हैना न्य नु है वनुमानहिम से न
- IV) य.त्रेट.ग्री.ट्रमी.चर्त्रेय.ग्री.र्जूश.त.श्.लय.र्थंश.यथा
  - a) ५वो नश्रेव में) र्ये अपने दे विद्यानी हिंदी प्रियानी के विद्यानी के विद्या
  - b) न्ने नश्रेत की र्स्यान ते विन्ति नी नहेत् में नामायान कुला अळवाय सातुया
  - c) न्ने नश्रुव में) श्रृंभ मात्रे सिंदा ने सिंद
  - d) र्वो नसूत् कुः र्वे स्थापन है विंदः वी तुः र्वे न्वायायामा कुवा यळ्दा प्यया त्या
- V) नश्चन ह्रेन्य ग्री र्वेस मा (व्याने सामक मी) सळव पा नाम (व्यासमा
  - a) नश्चेत्र ह्वाया ग्री र्वेसामा दी। या केदा ग्रांत प्राया कुषा सक्त प्राया साम प्राया साम सम्बद्ध विद्या सक्त प्राया स्व
  - b) नक्षेत्र ह्रेन्य राग्नी स्वाप्त हो। स्वाप्त हेरा स्वाप्त हिरा हेरा हिरा नी गुत्र द्वापा स्वाप्त हो स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत

- c) नमूर्व हैंग्यारा ग्री हें यह द्वारे दें के त्यारा तुरा हे रावित मी प्रति । वित्य के त्यारा तुरा हे रावित मी प्रति । वित्य के त्यारा तुरा हे रावित मी प्रति । वित्य के त्यारा तुरा वित्य के तुरा वित्य के
- d) नश्चर ह्रेन्य भी भूस मादी मिक मह केर यह केर विश्व है ग्रीस निवास के वासक से स्वीत स्वास केर विश्व सकर मार्स वा

# VI) अ.श्च. मूर्य. प्राचीतः अर्दे. क्यायाः स्वायः प्राचीतः स्वयः श्च. त्यायः सूर्यः यायाः स्वयः यायाः स्वरः प्रा

- a) विंदः नी सु ने ज्ञानाया सामुना अकंत त्याया नायतः तथया व्यादा हिनाया यहं त
- b) विरामी मोडेस् से माना भारत क्षाया असंस्थान अस्ता माना स्थान स्
- c) विर्म्पनी सि.मू.रच.पर्येशका भिजाता अक्ष्ये त्वाका वीश्वये त्वाका लूटा हूँ वीशः शहरी
- d) र्विरःवी वि.वे.रेगूव अकूवा क्या अक्ष्य त्या वाश्वर प्रथम क्ष्य स्त्र ह्या अस्त्र

### VII) विक्रेपट्टेन् पृत्युः भे विन्तुः चेत्रस्य व प्राप्त स्थान

- c) विक्तं महे नित्व के ती हैं के १९०५ में नित्त के कार के कि
- d) विक्तिस्त्रे निष्णु से दी के लिंग १९०१ में निर्म स्त्रा के ती

# VIII) अपन् नीअप्पान्य स्थित सम्हेवायामा प्राप्त र र स्था

- a) विर्वासीयान्ती ११०१ विर्वासीयान्तियान्ति । ११०१ विर्वासीयान्तियान्ति ।
- b) विंदः वीयः द्वेः वे १०० वेंदः नस्ने दः हेवायः त्यावदः नः देत्।
- c) र्विर:वीशःश्चे:र्यः १२०५ विर:वश्चेतः ईवाशःबुशःवादरः नःरेर्।
- यान्यक्षेत्रः मुक्ताः १४०० स्प्राचित्रः विकान्त्रवा विकान्त्रवा स्ति। स्प्राचीयः स्ति विकान्त्रवा स्ति। स्ति स
- a) विक्तिम्बे महिन्द्रित् क्षेते दुर्द्द्र विक्ति विक्ति
- b) विक्तित्रहे मृत्वयुः सेते दुरावया नश्चेतः हिंवया व्ययः सन्देत्।
- c) पि.क्रे.संड्रे.मे.श्र.म.मे.सेंदे.र्चे.संस्थानम्बेर्याङ्गालामान्त्री
- d) मिक्के महे मुर्भिते दुराव्या महेव हेंग्या बुयाम देन
- IX) मिकेन मङ्गेन प्रत्य ने निया महिषा सुदे हीं न साधित स्त्रा
  - a) विक्तिःमङ्केन्द्रक्तिः स्वितः स्वितः स्वितः सान्देन्।
  - b) विक्रियं है जिस्मू स्वीति र्र्स्स्य स्वीति र
  - c) विक्रेस्ट्रेन्स्ड्रेन्स्ड्रिन्स्ड्रिन्स्ट्रेन्स्ट्रेन्स्ट्रेन्स्ट्रेन्स्ट्रेन्स्ट्रेन्स्ट्रेन्स्ट्रेन्स्ट्रेन्स्ट
  - d) मिकें मङ्गेन सङ्ग्तिने स्ट्रिंग सन्ति
- X) विक्तिम्ब्रिक्तिस्त्रीतिः स्त्रिन्यः सम्बर्धिः प्रत्यः विष्यः विष्यः विष्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्

- a) विरः निहेश वस्त क्रिंश विविद्य निहु वा सेवारा परिस्थ हेवारा स्रावस स्तर हुर कुरा सासही
- b) विर्यानिश्वास्त्रात्र्यात्रात्र्वेत्रात्रात्र्यात्रात्रात्रात्र्यात्रात्रात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र
- c) विंदः पहित्रायत्र देवा वाद्या पड्डाया सेवाया प्रदेश सार्हे वात्रा स्राप्य स्तर स्तु स्तु सार्वे ।
- d) द्रिर.चार्रेश.जग्र.चंर्श.चार्थ.चर्थ.चर्थ.चर्य्याश.लूर्श.ह्वाश.श्राध्य.चर.चर.धर.क्य.च.शहरी
- - a) ह-न्युर्शन्ता र्जे श्रुवार्शेन्। वर्षे श्रुवार्शेन्। वर्षे प्रतास्त्र वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व
  - b) र्शुरुअ उत्यार्टा महाञ्चन र्येन्य मुन्दा न्वा स्थार्थ । प्राप्त स्थार प्राप्त स्थार प्राप्त स्थार स्थार स्थार
  - c) नृज्ञुम्यः र्श्वेन्द्रः। नृष्यः श्रुनः श्रुनः श्रुनः श्रुनः स्थ्यः याद्रः यदः विया विवेषात्रः यो विव
  - d) तह्र प्राप्त प्राप्त क्षेत्र के त्र क्षेत्र के त्र क्षेत्र क्षेत्र
- XII) गडर बिंद्य पार के पह के ते बीश इस प्रचेश की सर्के प्रवेश की सर्के प्रवेश की स्थाप के स्थाप की स्
  - a) अप्राहासीअप्राह्माद्याप्यदेखीयोदेश्चीत्रअप्राम्बेन्या
  - b) अप्तृहःश्रीअप्तृदःगृत्दःगे'धे'मेदेः र्भ्वे त्र्यानी वेग्या
  - c) अप्तृहः ग्रीअप्तृं र भीवा वी भी वीदे क्षेप्त्र अप्तृ वे वा अप्
  - b) रामहात्रीराचेनारासुरात्री धेरानेवे स्वाप्तानारा
- - a) ने वे स्मृते व्वासाग्वन न्याय कुवा सक्दा वार्षेन पान् न्या निर्मा
  - b) देवे व्रायः र्वेदावान व्राव्यव्यायये सर्वे सर्वेवायः र्वेदायः र्वेदायः
  - c) ने दे गाझ मन्स मन्स मासुका मास मिन स्वा मन्स मिन स्व स
  - d) ने वे पह केव केंबा की मुखा सक्व पा वेंचा पा प्र केंबा से न
- XIV) अः भुः गुरु द्वादः कुवः सळदः वः चॅदः ग्रीः चङ्के 'हः बेश्वः सळदः वाद्यशः शुश्वः द्वावः चः धेरु द्वा
  - a) विके महे निश्चाय है भी सर्केन द्रमा स्थान मेरी
  - b) विक्रिप्त्रे निष्प्रमानिष्ये स्त्री स्त्रे विष्या विक्रा स्त्री स्त्रे विक्रिया विक्रिय विक्रिया विक्रिया विक्रिय विक्
  - c) विक्रि:मृष्ट्रे:मृष्ट्रे:स्वयुःस्वी:सर्केवा:स्या:स्वय:सःसेन्।
  - d) विकेशिक्षेत्रम् द्वारा स्थानित्रम्
- XV) अ'भु'मङ्गेन्याधून्य रहें अयह द्राये नसूत्र नहें अन्तर प्राप्त स्वा

  - b) नष्ट्रद'नर्देश'क्ष्ट्र'स'इस'गुद्र'न्यूर्य'द्र' द्वु'स'द्वेदिश'न्यायाया वेनाय'यर'नयद'रवेदे'देद'र्वेदे निहर्येयाय'सहि।

- c) नश्चर् नर्डेश स्त्र साम्रस्य गुर्द नश्चर प्राप्त । क्षेत्र पर्द सेवा सेवाश सर प्रम् प्राप्त सेवा सेवाश सहित
- d) नश्रृतः नर्रेशः स्वाः मृतः नश्रृतः नश्रृतः प्राः प

३ ो (Letter writing) रियम्बराय्यायाः चेह्रिन्दिक्षियायादेशाः वा

 $(2\times7\frac{1}{2}=15\ Marks)$ 

यशनर्भेस्थरावेशनदिन्त्रन्त्। यशनर्भेस्थरासूद्रक्तियन्त्रित्त्वत्वत्वर्त्तेन्त्राचानन्त्रा

- II) क्रुन नाहेर थि नो बेश नदे में देव दर दे स्वर्त क्ष्य नार द्वा कर द्वी श्रास्त्र हैं या स्वर्त हैं या स्वर् होद रह हैं या मुदे हैं या हो से क्ष्य हो से क्ष्य से हैं या स्वर्त है या स्वर्त हैं या स्वर्त हैं या स्वर्त हो स
- 4 \ (Essay) বাপ্ষাবাধানা বাইন্ নেই বাউবাইবা ইমাখিবা উবা নেরু ২০০ অমামান্ত নেন কন্ত্র বাদ্ধিমান্ত্র মা
  - I) वॅद् क्रे. भ्रद्र धेवा के के देवा अरक्षेत्र के अवा
  - II) श्रेवै:श्रे:क्रेवे:ब्रह्मेश प्राप्त मायाके प्रेवः स्वेर ह्रेम् ह्रेश प्रहा विश्व प्राप्त स्वा

Section D Literature

(Total Marks 25)

- 5 (Prose) नान्यान्यान्यानु द्वीयानान्याः कुन्यमायान्य द्वीया (7Marks)
  - I) चुःक्षेत्रःक्षेत्रान्त्रःकुन्दिःस्रुर्याः कृतान्यः क्रिंसः नाम् 1 Marks
    - a) र्रे रेर नभूत पर्देव सर्वेत पर्दे र ग्री अ न इसश्
    - b) र्हे रेट नमून पहेंच केंग पर्चेर ग्रीय नहस्य
    - c) र्रे देर नमूत पर्दे त्र नमय पर्दे र मुका महस्रमा
    - d) र्रे. देर नशून वहेन र्ने र वर्जे र ग्रीश नहस्रा
    - इ. श्रेम. मी. यो भारती हैं से मी. देवारा यो र. लेंब विश्व
    - a) ईंबरदर्ने नध्यानईन् ग्री ईंबर ग्री ग्राम धित्र
    - b) र्हेंबरवर्दे क्यूबर नार्हेन् ग्री र्हेबर ग्री ग्राबर प्येत्
    - c) ईंबरदर्ने कुर नसूत्र ग्री ईंबर ग्री ग्राय धीता
    - d) ईंबर-वर्दे-सूत्र-ईंबर-मी:मूक्र-पोत्र
- II) मुःश्चेवानाम् मृत्रावदेवे त्रास्य श्चानार्षे म्यानार्षे म्यानार्षे प्राप्तानाम् 2 Marks
  - a) ५५: मु:र्केट्स्ऑ र्श्वेय: श्रुवा:र्ह्वे नवटा मु:र्ह्वेद्रर्केट्स्ऑ केंद्रिं सुट्द्रवार्स्यक्र धीवा
  - b) ख्रना चुःर्नेहःर्से क्षेत्र खुहःर्क्के नवह । चुःख्रना कें निर्मे अनेव नगरः स्निया अन

- d) श्रे.चे.सूर्या हैना.मार्ष्य मृत्याचारा च मृत्यास्त्री स्त्रां महिरादेगर स्वाया ध्रेती
- III) ह्युःश्वेत्यः महिन्यः हेन् प्यार्डेन् प्रमृति व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप
  - a) ब्रेंदुशः तुः ळॅनाशः ग्रीः नात्रशः शुः श्लेनशः यः यः नहेतः दशः क्रेंद् क्रेंना दे ग्रुटः नः सेद्।
  - b) चैत्रमः श्रेत्रेतः नात्रमः शुः श्रेनमः मः मः महेतः त्रमः हेन् ह्नेना ने चुनः नः नेना

  - d) चःर्तेन् ग्रीयः ब्रेड्न् याद्वर्षेत्र र्या यहुवायायायायायात्वेत् त्रया र्वेन् क्रिंवाने ग्रुट्य स्त्री धरात्वा
  - a) ने'सूर'अहअ'रुव'रोन्'न्वें अ'र्न्द्र'देत दी किंद'वहिं अ'री केंद्र'री केंद्र'री केंद्र'त के
  - b) ने खूर अहम रुव होन निर्मेश र्नेंद्र ही विंद महिश हो श्री का ही श्री का ही
  - c) ने सूर अनुअ रुव होन नर्वे अ र्देव दी विंद पाने अ ही अह हो हो होने हिंदा हो हैं ने हिंदा ने हन पार्ट प्रवस्त हा अप स से दी
  - d) ने खूर सक्ष्य रुव होन निर्माय रेव ही हार्चेय हो हिन्दिया ने हिम्म प्राप्त त्या के विकास निर्माय हो साम के व
- IV) क्रेंन्र-न्स्या योश क्रेंचा सन् मेंन् ग्री खुर पानार न्रा नार व्या वर्षेना वर्षे साग्र सामि 2 Marks
  - a) र्क्नेर-न्य्याः द्रश्रः र्वेत्रः श्रः कुरः क्रेन्याद्वैः श्रः याशुस्रः न्दः ख्रः श्ररः वर्द्धेवाः वर्रेसः वुस्रः सः सेन्
  - b) क्रूर-प्रमान्यमान्यः में प्राथम्यः दे क्रूर-म्युखः प्राप्तः सुर्वे मान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्य
  - c) ब्रॅन:न्यवात्वयःवेन्यावाद्वयःश्चेनःचेन्यावाद्वयःवर्षेताःवर्षेत्रयःवर्यत्रयःवर्षेत्रयःवर्यत्रयःवर्षेत्रयःवर्यत्रयःवर
  - d) क्रूर-न्यनान्त्रान्त्राक्षाक्ष्यान्यस्यान्त्र्यस्य विश्वतान्त्रस्य न्यान्त्रस्य विश्वतान्त्रस्य विश्वतान्त्रस्य
- 6ेरे (Poetry,) सून प्राप्यका ३ वा वा न हो ग (Marks: 07)
- 7 रे (Drama) दे द्वारा वाहुर वी से हाया द्वारा वी से हाया दिया (Marks: 3×2=6)
  - I) रे.र्न्याश्च मिन्य देश विद्यास्य क्षेत्र क

- II) डेदे: ध्रीन: र्हेन् प्रश्नाहर: श्रेन् पी पान्ना प्राप्ता अन्तर प्राप्तेन प्राप्ता (02) Marks
- III) रे.र्वाश्वः इस्रश्चित्रः विचायशः विद्यायद्वः चावद्वः चावद्वः चावद्वः चावद्वः चावदः च
- - I) सःसळ्स्रसःसुःधिन् र्र्सुदिःस्टः मिलेवः वादःस्र्वेदः क्रुःधिनः द्या 3 Marks धदः वा वे : तुःर्वेद् : तुःसेनसः सः श्रुनः सः त्रेःधिवः वसा धदः वा र्ह्सः नवदः धिःले सः वेदः नःसुःधिवः वसा
  - II) ह'त्यस'र्वेर'त्रस'नार'नाव्रर'र्न्वेस'नुहर्म्स 2 Marks धर'त्। कु'सेस'न्'रुस स्टूर्म्सन्सेर'नेर'न्स्।